AMRIT VICHAR PAGE 4

सम्मेलन के आयोजन से नाम लिया वापस

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लविवि

- **आईएससीए और डीएसटी के बीच कानूनी विवाद के चलते लिया निर्णय**

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय ने आईएससीए (भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन) और डीएसटी (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग) के बीच चल रहे कानूनी विवाद के चलते अपना नाम वार्षिक सम्मेलन के आयोजक के रूप से वापस ले लिया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक कुमार राय ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मार्च में लखनऊ विश्वविद्यालय को भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन के आयोजन की जिम्मेदारी दी गई थी। मई में लखनऊ विश्वविद्यालय की आयोजन समिति के सदस्यों ने कोलकाता स्थित एसोसिएशन मुख्यालय में आयोजित आईएससीए की कार्यकारी समिति की बैठक में सम्मेलन के आयोजन के लिए योजना पेश की। मई में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने आईएससीए के जनरल प्रेसिडेंट और लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ बैठक की। बैठक में आईएससी सम्मेलन के आयोजन के नियमों और शर्तों पर चर्चा हुई। पांच जून को डीएसटी ने लविवि को एक पत्र जारी किया। पत्र में कहा गया कि सम्मेलन के तकनीकी सत्रों से संबंधित सभी निर्णयों की निगरानी डीएसटी की ओर से गठित उच्च स्तरीय समिति करेगी। समिति में लविवि के आयोजन सचिव और स्थानीय सचिवों के साथ-साथ आईएससीए के महासचिव विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल होंगे। पत्र में लखनऊ विवि में आईएससी सम्मेलन के आयोजन को नियंत्रित करने वाले नियमों और शर्तों के बारे में भी बताया गया।

डीएसटी के पत्र का जवाब देते हुए आईएससीए के महासचिव ने जुलाई में लखनऊ विश्वविद्यालय पत्र भेजा और कहा कि आचरण के संबंध में सभी निर्णय आईएससीए के दायरे में रहेंगे। कुछ समय बाद आईएससीए और डीएसटी के बीच विवाद हो गया। आईएससीए ने न्यायालय में वाद दायर कर दिया। वाद उपनियमों और संबंधित मामलों में डीएसटी के हस्तक्षेप के खिलाफ था।

लखनऊ विश्वविद्यालय का बैंक्वेट हाल

जंग-ए-आजादी में हर कोई अपनी आहुति डालने को आतुर था तो छात्र कैसे शांत बैठते। छात्रों के अंदर आजादी की ज्वाला भड़कने लगी थी। लखनऊ विश्वविद्यालय आजादी के जंग का गवाह बनने लगा। विश्वविद्यालय परिसर में बने बैंक्वेट हाल में नौ अगस्त, 1942 को आम सभा का आयोजन करके छात्रों में देश के लिए लड़ने का जज्बा पैदा किया गया। सभा में छात्रों की हिस्सेदारी से घबराए अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार करने का षड्यंत्र बनाया। सभा के दूसरे दिन ही यहां के दो छात्रों कृष्ण बिहारी शुक्ला व सुविधा मुखर्जी को गिरफ्तार कर लिया गया। क्रांतिकारी कृष्ण बिहारी शुक्ला के नेतृत्व में हुई सभा का गवाह बैंक्वेट हाल आज भी मौजूद है।

JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय में फिर शुरू होगी सुपर-30 की कक्षाएं

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कामर्स विभाग में फिर सुपर-30 की कक्षाएं शुरू की जाएंगी। इसमें छात्र-छात्राएं नेट-जेआरएफ की तैयारी कर सकेंगे। वहीं, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी निश्शुल्क कक्षाओं का संचालन भी किया जाएगा। सोमवार को विभाग के अध्यक्ष पद पर कार्यभार ग्रहण करने के बाद प्रोफेसर राम मिलन ने अपनी प्राथमिकताएं गिनाईं।

इस अवसर पर शिक्षकों ने उन्हें कार्यभार ग्रहण करने पर बधाई दी। प्रोफेसर राम मिलन ने बताया कि सुपर 30 कक्षाओं को जल्द से जल्द शुरू कराना पहली प्राथमिकता होगी, ताकि छात्र-छात्राएं तैयारी कर सकें। इसमें विभाग के शिक्षक अपना सहयोग देंगे। विभाग में जीएसटी में डिप्लोमा कोर्स शुरू किया जाएगा। इसके अलावा पीजी स्तर पर रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू करने की भी योजना है ताकि पढ़ाई करके निकलने वाले विभाग के विद्यार्थियों को प्लेसमेंट में आसानी हो। उन्होंने बताया कि विभाग स्तर पर विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए भी निश्शुल्क कोचिंग की सुविधा शुरू की जाएगी।

तीसरी आवंटन सीट जारी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीसीए, एलएलबी (इंटीग्रेटेड पांच वर्षीय) और बीवीए/बीएफए पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए तीसरी आवंटन सीट जारी कर दी। अभ्यर्थी अपने लागिन के माध्यम से इसे देख सकते हैं। आवंटित सीट की फीस जमा करने की अंतिम तिथि 16 अगस्त को रात 12 बजे तक रखी गई है। (जासं)

HINDUSTAN PAGE 8

नव प्रवेशित विद्यार्थी जमा करें प्रपत्र

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय विभागों में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं के प्रपत्र जमा होने लगे हैं। संकायाध्यक्ष प्रो. विभूति राय ने बताया कि बीएससी प्रथम वर्ष के विद्यार्थी सुबह दस से दोपहर एक, दोपहर दो से चार बजे तक प्रपत्र जमा कर सकते हैं। प्रपत्रों में एलॉटमेंट लेटर, फीस रसीद, मार्कशीट,प्रमाण पत्र, जाति, टीसी,ईडब्ल्यूएस दस्तावेज आदि शामिल हैं।

प्रो. राम मिलन ने संभाला कॉमर्स का कार्यभार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में सोमवार को प्रो. राम मिलन ने कॉमर्स विभाग का कार्यभार संभाल लिया है। प्रो. सोमेश शुक्ला ने उन्हें चार्ज सौंपा। इस मौके पर संकायाध्यक्ष प्रोफेसर मुज्जू और पूर्व विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अवधेश कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

TOI PAGE 4

LU withdraws from hosting science cong

Cites Dispute Between Science Body & DST

TIMES NEWS NETWORK

File Photo

LEGAL HASSLES

Lucknow: The Lucknow University on Monday withdrew from hosting the annual Indian Science Congress scheduled to be held in the university in January.

"LU withdrew due to a legal dispute between the Indian Science Congress Association (ISCA) and the Department of Science and Technology (DST)," said vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

He said in March this year, the university was entrusted with the responsibility of organising the meet.

"Eager to contribute to the advancement of scientific dialogue and collaboration, LU accepted the responsibility. In May, members of the organising committee from LU presented an intricate plan for the conference at a meeting of the executive committee of ISCA in Kolkata. In May, the DST convened a meeting focusing on discussions surrounding the details of the conference," Rai said.

He added that DST in a letter laid down guidelines which said the committee would include the organising secretary and local secretaries from Lucknow University along with the general secretary of ISCA as a special invitee.

It also outlined specific terms and conditions. However, responding to DST's letter, ISCA general secretary wrote to LU in July, asserting that all decisions regarding conduct of the meet would remain under the purview of ISCA.

"The university, in turn, communicated that its compliance with the DST's conditions was essential, as it is a crucial funding agency that supports the university's research infrastructure and projects," he added.

"The dispute that subsequently unfolded between ISCA and DST led to the filing of a court case by ISCA, specifically a writ petition against DST's intervention in its bylaws and related matters made LU to step back from conducting the meet," the VC further added.

VOICE OF LUCKNOW PAGE 7

लविवि में नहीं होगी भारतीय विज्ञान कांग्रेस

डीएसटी और आईएससीए के बीच विवाद के चलते लिया मेजबानी से नाम वापस

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय अब भारतीय विज्ञान कांग्रेस की मेजबानी नहीं करेगा। विवि प्रशासन की ओर से घोषणा करते हुए यह बताया गया कि आईएससीए और डीएसटी के बीच चल रही विरोधाभास के मद्देनजर भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन (आईएससीए) के वार्षिक सम्मेलन के आयोजक के रूप में अपनी भूमिका से हटने का फैसला किया है। दोनों के बीच चल रहे कानूनी विवादों के कारण निर्णय लिया गया है।

बता दें कि लखनऊ विश्वविद्यालय को भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन के प्रतिष्ठित वार्षिक सम्मेलन के आयोजन की जिम्मेदारी मार्च 2023 में सौंपी गई थी। लविवि की आयोजन समिति के सदस्यों ने मई में कोलकाता में एसोसिएशन के मुख्यालय में आयोजित आईएससीए की कार्यकारी समिति की बैठक में सम्मेलन के आयोजन के लिए योजना प्रस्तुत की। जिस पर उनकी सराहना भी हुई। इसके बाद का घटनाक्रम मई में सामने आया, जब विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने आईएससीए के जनरल प्रेसिडेंट और लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को शामिल करते हुए एक बैठक बुलाई। बैठक आईएससीए सम्मेलन के आयोजन के नियमों और शर्तों पर चर्चा पर केंद्रित थी।डीएसटी ने लखनऊ विश्वविद्यालय को एक औपचारिक पत्र 5 जून को जारी किया, जिसमें कहा गया कि सम्मेलन के तकनीकी सत्रों से संबंधित सभी निर्णयों की निगरानी डीएसटी द्वारा गठित एक उच्च स्तरीय समिति द्वारा की जाएगी। विशेष रूप से इस समिति में लखनऊ विश्वविद्यालय के आयोजन सचिव और स्थानीय सचिवों के साथ-साथ आईएससीए के महासचिव विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल होंगे। पत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय में आईएससी सम्मेलन के आयोजन को नियंत्रित करने वाले विशिष्ट नियमों और शर्तों को भी रेखांकित किया गया है। डीएसटी के पत्र का जवाब देते हुए आईएससीए के महासचिव ने जुलाई में लविवि को लिखा, जिसमें कहा गया कि आचरण के संबंध में सभी निर्णय आईएससीए के दायरे में रहेंगे। बदले में, लखनऊ विश्वविद्यालय ने सूचित किया कि डीएसटी की शर्तों का अनुपालन आवश्यक था, क्योंकि डीएसटी एक महत्वपूर्ण फंडिंग एजेंसी है जो राज्य विश्वविद्यालय के रूप में अपनी स्थिति को देखते हुए विश्वविद्यालय के अनुसंधान बुनियादी ढांचे और परियोजनाओं का समर्थन करती है। बाद में आईएससीए और डीएसटी के बीच सामने आए कानूनी विवाद के कारण आईएससीए ने एक अदालती मामला दायर किया, जो विशेष रूप से इसके उपनियमों और संबंधित मामलों में डीएसटी के हस्तक्षेप के खिलाफ एक रिट याचिका थी। स्थिति की जटिलता और आईएससीए और डीएसटी के बीच चल रहे कानूनी संघर्ष को देखते हुए, लखनऊ विश्वविद्यालय ने बेहद अफसोस के साथ आईएससी सम्मेलन के आयोजक के रूप में अपनी भूमिका से हटने का विकल्प चुना है।

HT PAGE 4

LU to no longer host ISC conference in January

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW : In a significant development, the University of Lucknow (LU) has announced that it will no longer host the 2024 edition of the Indian Science Congress (ISC) owing to a legal dispute between the government and the organiser. The annual conference was earlier scheduled to take place in January.

"The difficult decision has been taken due to a combination of recent events and the ongoing legal disputes that have made the successful execution of the conference untenable," said LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai said on Monday.

The LU was entrusted with the responsibility to host the annual conference by the Indian Science Congress Association (ISCA) in March this year.

In May, the Department of Science & Technology (DST) of the Centre, convened a meeting with the general president of the ISCA and the LU-V-C to discuss the terms and conditions for the ISC conference.

On June 5, the DST issued a formal letter to the university stipulating that all decisions related to the technical sessions of the conference would be overseen by a high-level committee constituted by the department DST, the university said.

Responding to the DST letter, the ISCA general secretary wrote to the LU in July asserting that all decisions regarding the conduct of the conference shall remain under the purview of the ISCA.

The legal dispute that subsequently unfolded between the ISCA and the DST led to a court case filed by the former. The ISCA filed a writ petition against DST's intervention in its bylaws and related matters.

"Given the complexity of the situation and the ongoing legal conflict between ISCA and DST, the University of Lucknow has regrettably opted to withdraw from its role as the organiser of the ISC conference," said the vice-chancellor. The varsity had hosted its first ISC conference, which was inaugurated by the then prime minister Atal Bihari Vajpayee, in 2002.

NBT PAGE 4, 7

LU: बीसीए, एलएलबी की तीसरी सूची जारी

■ एनबीटी सं., लखनऊ: एलयू ने ग्रेजुएशन के चार पाठ्यक्रमों में प्रवेश की तीसरी सूची जारी कर दी है। 16 अगस्त तक फीस जमा कर सीट कंफर्म करना होगा। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार बीसीए, एलएलबी इंटीग्रेटेड पांच वर्षीय और बीवीए या बीएफए की ऑनलाइन काउंसलिंग के लिए तीसरी सूची जारी हुई है। ऑनलाइन सीट कंफर्मेशन फीस 16 अगस्त की रात 12 बजे तक भरी जा सकती है।

नए छात्र जमा करें प्रपत्र

एलयू के विज्ञान संकाय के तहत आने वाले विभागों में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं के प्रपत्र जमा होने लगे हैं। संकायाध्यक्ष प्रो. विभूति राय ने बताया कि बीएससी प्रथम वर्ष में दाखिला लेने वाले छात्र सुबह दस से दोपहर एक और दोपहर दो से चार बजे तक प्रपत्र जमा कर सकते हैं। प्रो. राय के मुताबिक, प्रपत्रों में एलॉटमेंट लेटर, फीस रसीद की प्रति, हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की मार्कशीट व प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, टीसी व ईडब्ल्यूएस सहित कई अन्य प्रपत्र शामिल हैं।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस नहीं करवाएगा LU

■ एनबीटी सं, लखनऊ : भारतीय विज्ञान कांग्रेस के आयोजन में भारतीय विज्ञान कांग्रेस असोसिएशन (आईएससीए) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के बीच चल रही विरोधाभास की स्थिति पर लखनऊ यूनिवर्सिटी ने अब इसके आयोजन से नाम वापस ले लिया है। दोनों के बीच चल रहा विवाद कोर्ट तक पहुंच गया है। लिहाजा कानूनी विवादों के कारण एलयू ने यह कदम उठाया है।

मार्च में एलयू को भारतीय विज्ञान कांग्रेस असोसिएशन ने प्रतिष्ठित वार्षिक सम्मेलन भारतीय विज्ञान कांग्रेस के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी थी। एलयू की आयोजन समिति ने कोलकाता में आईएससीए के सामने पूरा प्लान प्रस्तुत किया था। मई में डीएसटी ने आईएससीए के जनरल प्रेसिडेंट और एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय को एक बैठक में बुलाया। बैठक में भारतीय विज्ञान कांग्रेस के आयोजन के नियमों और शर्तों पर चर्चा हुई।

आयोजन को लेकर भेजा पत्र : डीएसटी ने 5 जून को एलयू को पत्र भेजा और स्पष्ट किया कि भारतीय विज्ञान कांग्रेस के तकनीकी सत्रों से संबंधित सभी निर्णयों की निगरानी डीएसटी की ओर से गठित एक उच्च स्तरीय समिति करेगी। डीएसटी के पत्र के बाद आईएससीए के महासचिव ने जुलाई में एलयू को एक पत्र भेजा। दावा किया कि भारतीय विज्ञान कांग्रेस से संबंधित सभी निर्णय आईएससीए ही लेगा। डीएसटी राज्य विवि को अनुसंधान, बुनियादी ढांचे और परियोजनाओं में सपोर्ट करती है। लिहाजा एलयू डीएसटी के निर्देशों की अनदेखी नहीं कर सकता।

कोर्ट तक पहुंचा विवाद : आईएससीए और डीएसटी के बीच सामने आया विवाद कोर्ट पहुंच गया। आईएससीए ने डीएसटी के हस्तक्षेप के खिलाफ एक रिट याचिका कर दी। अब कानूनी संघर्ष को देखते हुए एलयू ने आईएससी सम्मेलन के आयोजन से हटने का फैसला लिया। सूत्रों का कहना है कि विवाद लंबा खिंचा तो आयोजन में काफी दिक्कत आ सकती है।

> “ डीएसटी और आईएससीए के विवाद में एलयू नहीं पड़ना चाहता है। हम राज्य विवि हैं। डीएसटी से रिसर्च प्रॉजेक्ट के लिए ग्रांट मिलती है। इसलिए उनके निर्देशों की अनदेखी नहीं की जा सकती है।
>
> *– प्रो. आलोक कुमार राय, एलयू वीसी*